Question.1 This question contains 15 very short type subquestions. Answer each question in maximum 10 words. All questions are compulsury. Each question carries 03 (Three Marks)

प्रश्न:

Name - Pradeep Sara[illegible]
Test - P-1 [Date-25/02/22]

उत्तर :

(i) केन्द्रीय स्तर → केन्द्र सरकार, राज्य स्तर (राज्य सरकार) स्थानीय स्तर (पंचायत) 73वें संशोधन 1992

प्रश्न:

उत्तर : (ii) 42वें संशोधन 1976 तहत भाग 4(A) 51(A) जोड़ गए नागरिकों के लिए राष्ट्र के प्रति आवश्यकीय निर्देश

प्रश्न:

उत्तर : (iii) न्यायपालिका द्वारा विधायिका व कार्यपालिका को उनके कर्तव्य हेतु प्रतिबद्ध बनाना।

प्रश्न:

उत्तर : (iv) (1) निर्वाचन आयोग द्वारा निर्वाचन समयावधि में प्रतिनिधियों हेतु जारी नैतिक निर्देश संहिता है

प्रश्न:

उत्तर : (v) ऐसे विषय से संबंधित जो दल की भाषा, धर्म, जाति, नस्ल से संबंध रखे तथा दल प्रभुत्व हो

पू./M
पू./M
पू./M
पू./M
पू./M

प्रश्न:

उत्तर: (6) अवैध मादक पदार्थ तस्करी द्वारा राष्ट्रीय सुरक्षा व अखण्डता को नुकसान पहुंचाने वाला आतंकवाद

प्रश्न:

उत्तर: (7) उपभोक्ता संबंधि विवादों को निपटान हेतु सिविल कोर्ट उपभोक्ता अधिनियम 1986 द्वारा स्थापित [जिला-राज्य-केन्द्र]

प्रश्न:

उत्तर: (8) सार्वजनिक नीति निर्माण लोगों की भागीदारी सुनिश्चित करने की व्यवस्था प्रदान निर्वाचन

प्रश्न:

उत्तर: (10) (8)
(I) 1975 में आरंभ, इन्दिरा सरकार के विरुद्ध।
(II) संपूर्ण क्रांति नारा दिया गया [अंत आपातकाल में]

प्रश्न:

उत्तर: (9) (10) किसी अभियुक्त को मीडिया द्वारा अपने स्तर पर विश्लेषण किया जाना मीडिया ट्रायल कहलाता है

(11) चंपारण (1917), अहमदाबाद मिल (1918) खेड़ा आंदोलन (1918)

(12) वेबर के अनुसार (परम्परा, प्रत्याभोजन कानून)

(13) (योजना, संगठन, आदेश, समन्वय, नियंत्रण) हेनरी फियोल द्वारा प्रतिपादित सिद्धांत है

(14) संगठन में अनुमान लगाने, नीति बनाने, क्रियान्वन करने, निर्देशित करने की सम्पूर्ण प्रक्रिया प्रबंधन है

(15) अन्तर्सम्बन्ध - औपचारिक संगठन में बने अंतर्वैयक्तिक समूह जो उसकी अंदरूनी नीतियों को प्रभावित करे

(A) संवैधानिक संघात्मक प्रावधान –
(i) संविधान लिखित (ii) द्विराजपंदित
(iii) शक्ति विभाजन (iv) स्वतन्त्र न्यायपालिका
परन्तु कुछ एकात्मक प्रावधान विद्यमान
(i) एकल संविधान (ii) एकल नागरिकता
(iii) राज्यपाल (iv) CAG (v) अखिल भारतीय सेवा
अत भारतीय संविधान अर्द्धसंघीय जिसका
झुकाव केन्द्र की ओर है D.R. अम्बेडकर
1973 संघात्मकता हमारी मूलसंरचना का भाग है

(2.2)

उत्तर :

(B) 368 के अनुसार – निम्न प्रकार वर्णित
(i) किसी भी सदन (लोक या राज्य) सभा पे
संशोधन विधेयक पेश करना।
(ii) सदनो द्वारा विशेष बहुमत द्वारा पारित
[सदन कुल बहुमत + उपस्थित का 2/3 सदस्य बहुमत]
(iv) संघीय विषयो पर आधे राज्यो की
साधारण बहुमत सहमति।
(v) राष्ट्रपति को उचित → अनुमति देनी को
बाध्य है

(C) संविधान द्वारा प्रदत्त वे अधिकार जिसके उल्लंघन होने पर सीधे (न्यायालय) अपील की जा सकती हो। संविधान (भाग 3) अनुच्छेद [12-35] वर्णन।

(i) समानता अधिकार (14-18)

(ii) स्वतंत्रता अधिकार (19)

(iii) जीवन जीने का अधिकार A21(21)

(iv) धार्मिक स्वतंत्रता (25-28)

(v) संस्कृति संरक्षण अधिकार (29-30)

(vi) संवैधानिक सुरक्षा (32)।

न: (2.2)

उत्तर :

(4) वह संघीय ढांचा जिसमें संघ व राज्य के मध्य ऊर्ध्वाधर संबंध हो। परन्तु राज्यों के मध्य क्षैतिज संबंध हो। नीति आयोग द्वारा इसे प्रचारित किया जा रहा है।

→ विभिन्न सूचकांकों को जारी कर (सांख्यिकी) (मानक LEDS) सूचकांक

→ परफॉर्मेंस आधारित वित्त अनुदान (15वें वित्त) आयोग अनुशंसा।

(5)

सत्ता का न्यूनतम हस्तक्षेप व नागरिक को व्यापक अधिकार आधारित लोकतंत्र। उदा० U.S.A., भारत।

विशेषता - (i) वयस्क मताधिकार।

(ii) समानता, स्वतंत्रता अधिकार।

(iii) राज्य का न्यूनतम ~~हस्तक्षेप~~ हस्तक्षेप

(iv) राज्य - धर्म पृथक्करण (धर्मनिरपेक्षता)

(vii) संपत्ति अधिकार, मित्रता अधिकार आदि

(viii) उत्तरदायी शासन - प्रशासन।

2)

र :

(6) राज्य पिछड़ा वर्ग आयोग के निम्न कार्य।

(i) OBC वैधानिक व संवैधानिक अधिकारों की सुरक्षा

(ii) अधिकारों के उल्लंघन पर जांच।

(iii) OBC कल्याण संबंधित नीतियों पर राज्य को परामर्श

(iv) OBC संबंधित योजनाओं की निगरानी।

(vii) पिड़ित को संरक्षण व सहायता।

(viii) OBC आरक्षण संबंधित लोककर्ता पालन हेतु राज्यपाल को सलाह।

उत्तर :

(7) प्राथमिक शिक्षा → (i) पृथ्वीकृ शिक्षा प्राप्त बालक पे हो

(ii) प्राथमिक से माध्यमिक शिक्षा निःशुल्क

(iii) बच्चो को धर्मनिरपेक्ष शिक्षा दी जाए।

(iv) कौशल विकास व नैतिकता आधारित शिक्षा को पहल दिया।

उच्चशिक्षा → (i) शाला वहन नहीं करे अपितु औद्योगिक प्रतिष्ठान स्वयं उठाए।

(ii) मानसिक विद्यार्थी स्वयं पे कौशल ग्रहण करे।

श्न: (2.2)

उत्तर :

(8) (i) अत्याधिक राजनैतिक विकेंद्रीकरण हो ग्राम → मण्डल → जिला → राज्य → केंद्र

(ii) राज्य को कम-से कम शक्ति दी जाए।

(iii) राज्य की शक्ति लोगो पे हो → लोकशक्ति।

(iv) दलविहिन लोकतंत्र स्थापना कि जाए।

(v) संसदीय व्यवस्था आलोचना → अनुपयुक्त सरकार

(vi) स्वराज आधारित शासन व्यवस्था।

(vii) लोकतंत्र साधन हो लक्ष्य सामाजिक-आर्थिक समानता प्राप्ती हो।

(9) निर्णयानुसार लोकप्रशासन सरकार के (कार्यपालिका, विधायिका, न्यायपालिका) कार्य से संबंधित है। विशेषता

(i) सरकारी कार्यपालिका से संबंधित।
(ii) सामूहिक रूप से कार्य करने की भावना।
(iii) कार्य प्रणाली के लिए उचित निर्णय।
(iv) स्वयं का राजनैतिक - तंत्र मौजूद।
(v) उत्तरदायित्व - सत्ता की व्यवस्था।
(vi) निश्चित लक्ष्य प्राप्ति हेतु सामान्य प्रयास।

(2.2)

उत्तर :

(10) संगठन में अनुमान लगाने, नीति निर्माण, क्रियान्वयन, निर्देशन व नियंत्रण का कार्य ही प्रबंधन कहलाता है जब यह सरकारी प्रशासन से संबंधित हो तो लोकप्रबंधन कहलाता है विशेषता।

(i) व्यक्ति के स्थान पर समूहों को महत्व।
(ii) प्रशासनिक निर्देशों के नियमन से संबंधित
(iv) इसका संबंध कार्यपालिका से।
(v) यह परिवर्तन व गतिशील प्रक्रिया।

PART C.

(A)

संविधान अनुच्छेद ~~3~~ 368 के तहत संशोधन प्रावधान किए गए हैं इसके तहत भिन्न संशोधन गठित हुए अब तक 104 (2019) तक।

प्रमुख संशोधन :

(i) प्रथम संशोधन → 1951

प्रावधान → ~~प्रथम~~ नवी अनुसूची को जोड़ा गया जो न्यायिक समीक्षा से परे थी

(ii) सातवां संशोधन → 1956 (राज्यो का ~~उ~~ निर्माण) भाषा विभाजन आधारित

(iii) 42 वा संशोधन → 1976
(i) संसद को संशोधन असीमित शक्ति
(ii) निदेशक तत्वों को मौलिक अधिकारों से प्रमुखता।

Nema Books

(iii) समवर्ती सूची में (वन, वन्यजीव, शिक्षा, नापतोल, न्यायप्रशासन) 5 विषय जोड़े।
(iv) मौलिक कर्तव्य जोड़े गये।

(4) 26 वा संशोधन → प्रिवीपर्स समाप्ति
(5) 44 वा संशोधन → (1) संपत्ति मूल अधिकार समाप्त
(ii) संसद कार्यकाल 5 वर्ष किया
(6) 52 वा संशोधन → अनुसूची (10) जोड़ी गयी [दलबदल]
(7) 61 वा संशोधन → मताधिकार 21 से (18) की गयी
(8) 73 वा संशोधन → त्रिस्तरीय पंचायती व्यवस्था को संवैधानिक दर्जा दिया
(9) 74 वा संशोधन → नगरीय स्थानीय शासन स्थापना
(10) 92 वा संशोधन → डोगरी, बोडो, मैथिली, संथाली (8) अनुसूची में शामिल
(11) 102 वा संशोधन → OBC आयोग संवैधानिक दर्जा
(12) 101 वा संशोधन → (2017) GST को लागू करता।

Nema Books -9200333367

(B)

संविधान के भाग 15 मे अनुच्छेद (324-329) तक निर्वाचन आयोग प्रावधान किए गए है।

(i) संरचना → 1 मुख्य चुनाव आयुक्त 2 अन्य आयुक्त।

~~नियुक्ति~~ → 6 वर्ष 65 उम्र [जो पहले हो]

(ii) कार्यकाल

(iii) नियुक्ति → राष्ट्रपति द्वारा।

निर्वाचन के पास तीन प्रकार के कार्य व शक्ति है।

↓ प्रशासनिक ↓ सलाहकारी ↓ अर्द्धन्यायिक

(1) प्रशासनिक → (i) लोकसभा, राज्यसभा, राष्ट्रपति, उपराष्ट्रपति, राज विधानसभा के चुनाव करवाना।

(ii) निर्वाचन नामावली तैयार करना।
(iii) निर्वाचन के लिए समय, स्थान आदि की घोषणा
(iv) राजनैतिक दलों को मान्यता प्रदान करना।
(v) दलों को चुनाव चिन्ह आवंटन करना।
(vi) चुनाव के आदर्श आचरण संहिता जारी करना।
(2) सलाहकारी → (i) संसद सदस्य की अयोग्यता पर राष्ट्रपति को सलाह।
(ii) राष्ट्रपति शासन के 1 वर्ष बाद निर्वाचन कराने संबंधि सलाह।
(3) अर्द्धन्यायिक → (i) किसी सदस्य के चुनाव को भ्रष्टाचार या अन्य आरोपों पर रद्द करना
(ii) प्रतिनिधियों के व्यवहार आचार पर प्रतिबंध व दंड-जुर्माना लगाना।

Nema Books -9200333367

(3)

राष्ट्रीय मानवाधिकार अधिनियम 1993 के तहत राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग (NHRC) में गठित किया गया।

| संरचना

1. अध्यक्ष — सेवा निवृत्त मुख्य न्यायाधीश [SC]
2. [न्यायिक सदस्य]
3. [NHRC] कार्यकर्ता → 1 महिला अनिवार्य

उद्देश्य

(i) मानवाधिकारों को बढ़ावा
(ii) इसके प्रति जागरूकता
(iii) संवैधानिक आधार देना।
(iv) विधिक सुरक्षा व पीड़ित सहायता।

अधिनियम 1993 की धारा (12) के तहत निम्न कार्य सौंपे गए।

(i) मानवाधिकार उल्लंघन संबंधि याचिकाओं पर जाँच करना।

(ii) शिकायत प्राप्ति पर फिर स्वसंज्ञान द्वारा जाँच करना।

(iii) पीड़ित का संरक्षण व सहायता हेतु सरकार को सलाह।

(iv) राज्य पुलिस थानों व जेलों मे निरीक्षण करना।

(v) अंतर्राष्ट्रीय संधियाँओं को लागु कराने का प्रयास करना।

(vi) मानवाधिकार संबंधि जागरूकता शिविर लगाना।

(vii) जाँच के दौरान सिविल शक्ति प्राप्त।

सीमायें → (i) 1 वर्ष पूर्व याचिका पर जाँच नहीं करता।

(ii) धारा 19 के तहत याचिका बलों पर प्रत्यक्ष कार्यवाही नहीं कर सकता है।

(iii) यह मात्र सलाहकारी संस्था है।

(D)

राममनोहर लोहिया भारत के महान स्वतंत्रता सेनानी राजनैतिक व नवसमाजवादी व्यक्ति रहे।

उनके सामाजिक विचार निम्न है

(i) लोहिया ने जातिप्रथा, अस्पृश्यता का विरोध किया

(ii) लोहिया द्वारा नस्लवादी विभेद का विरोध किया

(iii) वे लैंगिक समानता के पक्षधर रहे

(iv) वे सामाजिक व धार्मिक सहिष्णुता के तहत हिन्दू-मुस्लिम एकता समर्थक रहे

(v) लोहिया द्वारा धर्मनिरपेक्षता युक्त राज्य के तहत हर एक धर्म को महत्व दिया।

(vi) समाज के सहयोग के पर विश्वास।

Nema Books -9200333367

लोहिया के आर्थिक विचार।

(i) विकेन्द्रीकरण → संसाधनों का विकेन्द्रीकृत किया जाए तथा उद्यम स्थापना दी जाए।

(ii) ग्रामीण विकास → लघु-कुटीर उद्योग को बढ़ावा दे।

(iii) संसाधन समानता → संसाधनों का वितरण समान हो तथा आर्थिक समानता स्थापित हो

(iv) राष्ट्रीकरण → आंशिक राष्ट्रीकरण हो कुछ बड़े उपक्रम राज्य के नियंत्रण में रखे जाए।

(v) पूंजीवाद विरोध → पूंजीवादी व्यवस्था का विरोध समाजवादी अर्थव्यवस्था का समर्थक।

लोहिया के क्रांतिकारी विचार का ही परिणाम उनकी सप्तक्रांति अवधारणा है।

(5)

मैक्स वेबर के अनुसार शक्ति आदेश की अभिव्यक्ति है जो बाह्यकारी रूप से होती है।

विशेषता

→ शक्ति में कार्य करने की भावना
→ शक्ति एक योग्यता प्रदर्शित करती है
→ शक्ति को निष्कर्ष को प्राप्त होती
→ शक्ति में कानूनी या सामाजिक बंधन होती
→ शक्ति के तीन तत्व। अपना कार्य साधना, प्रभाविता, प्रभाव विरोधन।

इसके वेबर ने भिन्न प्रकार बताए है।

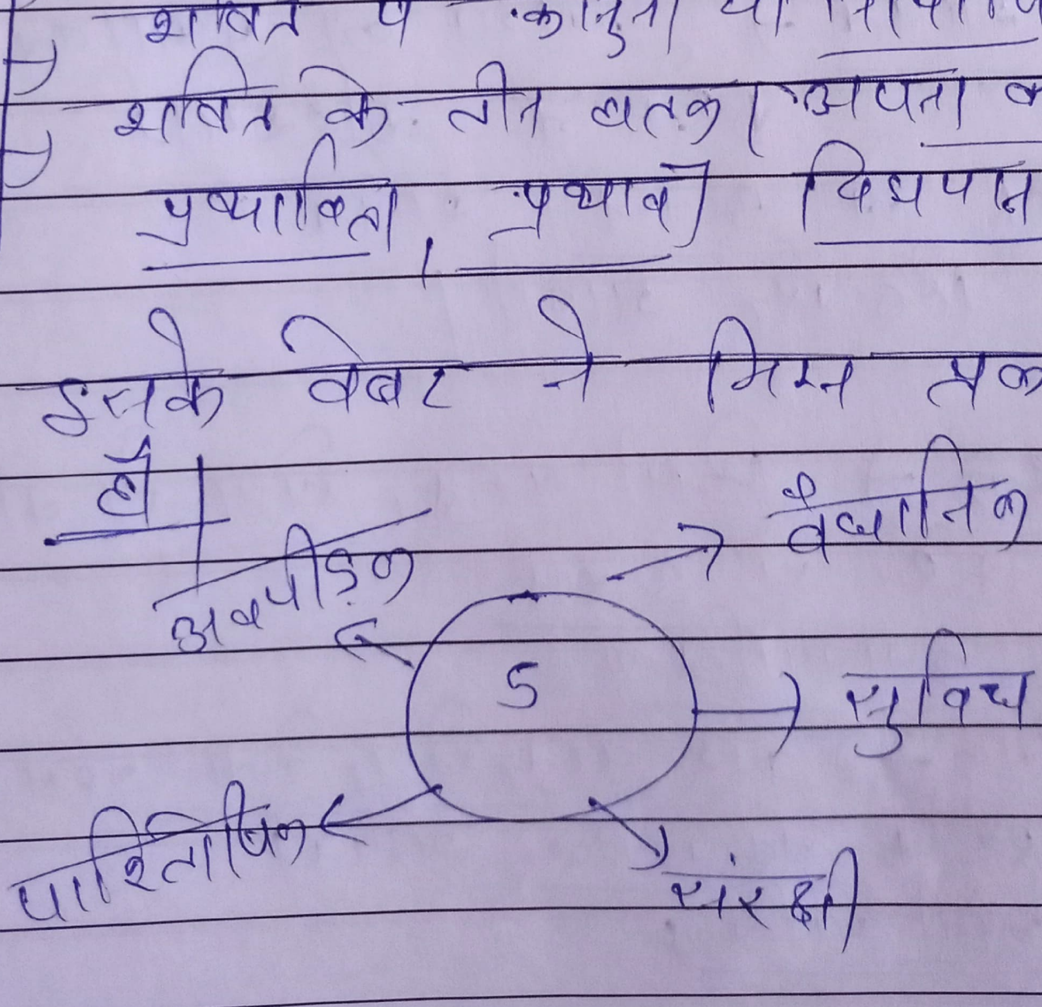

(i) वैधानिक → विभिन्न वैधानिक उच्चपद प्राप्ती हेतु प्राप्त शक्ति जो कानूनी हो।
उदा॰ IAS | CM | PM

(ii) सुविध → अपनी योग्यता व तकनीकी कुशलता से प्राप्त शक्ति
उदा॰ वैज्ञानिक, डाक्टर आदि

(iii) संरक्षी शक्ति → लोगों को प्रभावित करने व करिश्माई व्यक्तित्व से उत्पन्न शक्ति
उदा॰ हिटलर, गांधी।

(iv) अवपीड़क → किसी वस्तु, सेवा से वंछित करने से उत्पन्न
उदा॰ न्यायपालिका

(v) पारितोषिक → कोई वस्तु, पैसा, वेतन प्रदान करने के बदले प्राप्त शक्ति।
उदा॰ कार्यपालिका

PAR-B

प्रश्न:

उत्तर : (1) सरकार द्वारा वंचित / कृषक आदि वर्ग को विभिन्न तौर कृषि / उपचार दी गयी धन सहायता या छूट है

प्रश्न:

उत्तर : (2) छाया बैंको को आपदा से ब चोड़ने वाला अंतसंबंधित नेतवर्की है।

प्रश्न:

उत्तर : (3) नाफ्टा एक अंतर महाद्वीपिय व्यापार संगठन है जिसमें अमेरिका, मेक्सिको, कनाडा शामिल (मुक्तव्यापारक्षेत्र)

प्रश्न:

उत्तर : (4) (i) होशंगाबाद (ii) सिहोर (iii) रायसेन।

प्रश्न:

उत्तर : (5) State Highway 62 (सागर - छिंदवाड़ा) लम्बाई मे

6) (i) लाभार्थी [मजदूर, कृषक, BPL, APL) धारक
(ii) विपती पार्टी, रोजगार, प्रशिक्षण, पोषण आदि लाभ

(7) वह वर्ग जिसकी आयु 60 वर्ष हो या उससे अधिक हो वृद्धजन में शामिल किए जाते है

(8) (कक्षा - 8 th) कक्षा तक [6-14) वर्ष तक के बच्चों को प्राप्त प्राथमिक शिक्षा (शिक्षा का अधिकार)

(9) (i) 2005 में [सामाजिक न्याय मंत्रालय) द्वारा आरम्भ
(ii) दिव्यांगजनों की प्रत्येक क्षेत्र में भागीदारी बढ़ाना

उत्तर: (10) मनुष्य द्वारा मोक्ष प्राप्ति हेतु एक निश्चित क्रिया में किए गए उद्योग (उपक्रम) है

प्रश्न:

उत्तर: (11) वह विवाह जिसमें वर पक्ष वधुमूल्य चुकाए तथा वधु के पिता से अनुमति प्राप्त करें

प्रश्न:

उत्तर: (12) शिक्षा संस्थाओं द्वारा विद्यालयों के परे [विद्यालय छोड़ चुके वर्ग] शिक्षा देने की व्यवस्था |

प्रश्न:

उत्तर: (13) भिलाला, बारेला, पटलिया

प्रश्न:

उत्तर: (14) मूल भोजन के अतिरिक्त आवश्यक पोषक तत्व प्रदान हेतु दिया गया आहार उदा. मध्यान्ह भोजन

प्रश्न:

उत्तर : (15) (i) वायरस जनित संक्रमण रोग (ii) साँस से संबंधित (iii) श्वसन तंत्र प्रभावित होते हैं व मृत्यु होना।

प्रश्न:

उत्तर :

प्रश्न:

उत्तर :

प्रश्न:

उत्तर :

प्रश्न:

उत्तर :

उत्तर :

(8) (1)

RBI द्वारा मौद्रिक समिति अनुशंसा द्वारा निर्मित नीति मौद्रिक नीति कहलाती है

उद्देश्य - (I) आर्थिक समृद्धि बनाए रखने हेतु मुद्रास्फीति नियंत्रण (2015 से)

(II) मुद्रा विनिमय दर को नियंत्रण रखना।

(III) बाजार मांग - आपूर्ति संतुलन बनाए रखना

(IV) ब्याज दरों, बांड दरों का निर्धारण

(V) अर्थव्यवस्था में रोजगार सृजित करना

(VI) मुद्रा आपूर्ति को बाजार में नियंत्रण करना।

प्रश्न: (2.2)

उत्तर :

(2)

सरकार द्वारा अर्थव्यवस्था सरकारी हस्तक्षेप से संबंधित नीति राजकोषीय नीति है

शामिल घटक - (I) राजस्व व्यय - प्राप्ती

(II) पूंजीगत व्यय व प्राप्ती

(III) सरकार द्वारा निर्धारित कर - गैरकर दरें।

उद्देश्य :- (I) आर्थिक समृद्धि प्रोत्साहन

(II) बाजार मांग उत्पन्न करना

(III) निवेश व रोजगार सृजन पर बल

(IV) मुद्रा आपूर्ति व मुद्रास्फीति नियंत्रण

(5)

चिकित्सा क्षेत्र के लिए उपयुक्त कौशल प्रदान शिक्षा चिकित्सा शिक्षा कहलाती है

उदा॰ MBBS (बेचलर इन मेडिसिन-सर्जरी)

BAMS (बेचलर इन-आयुर्वेद-सर्जरी)

B.SC नर्सिंग (पैरामेडिकल-लोक हैल्थ)

विशेषता :- (i) स्वास्थ्य क्षेत्र में मानव संसाधन विकास

(ii) चिकित्सकीय सेवा में सुधार।

(iii) बेहतर रोजगार सर्जन मार्ग प्रदान करना।

(iv) स्वास्थ्य क्षेत्र में अनुसंधान बढ़ावा।

श्न: (2.2)

उत्तर :

(6)

निम्न व्यवस्था तंत्र उपस्थित हो।

(i) शिक्षा पाठ्यक्रम (LKG – 8th) तक

[LKG.UKG → 1-5th] लोअर प्राइमरी]

[5th 8th] → अपर प्राइमरी]

(ii) संविधानगत तहत मौलिक अधिकार

(iii) प्रत्येक (50) विद्यार्थी हेतु एक विद्यालय (शिक्षा अधिकार 2009) तहत।

(iv) प्रारंभिक शिक्षा पाठ्यचर्या में तथा 8th तक नो डिटेन्शन पॉलिसी।

(7) मेलिनोवस्की के अनुसार संस्कृति जीवन जीने की विधि है
वहीं मैकाइवर-पेज अनुसार यह हमारे पुराने शैलियों, भावनात्मक अभिव्यक्तियों का प्रकार है जो हमारी प्रथा, रीति-रिवाज, रहन-सहन को अभिव्यक्त करती है। विशेषता
(i) सीखी जाती है (ii) हस्तान्तरण (iii) विशिष्ट
(iv) आदर्श (v) एकीकरण गुण आदि।

: (2.2)

उत्तर :

(8) गुण → (i) श्रम विभाजन करना।
(ii) समाज में शक्ति संतुलन
(iii) परम्परागत कौशल विकास
(iv) योग्यता व क्षमता पर बल
(v) रक्त की शुद्धता बनाए रखना।
दोष → (i) शूद्र वर्ग स्थिति में शामिल नहीं
(ii) उच्च वर्ग द्वारा समाज पर एकाधिकार
(iii) निम्न वर्ग पर उत्पन्न शोषण
(iv) अनुरक्षता व उत्पन्न भेदभाव।

सामुदायिक स्तर पर मिलकर नागरिकों द्वारा मिलकर विकास कार्य सम्पन्न करना तथा सरकार प्रेरक का कार्य करेगा
2 oct 1953 में प्रारंभ [भारत में]

→ (i) ग्रामीण स्तर पर योजना निर्माण।
→ (ii) ग्रामीण वर्ग का सशक्तिकरण
→ (iii) सत्ताओं का विकेन्द्रीकरण
→ (iv) गरीबी, भुखमरी, समाप्ति/रोजगार सृजन
→ (v) निरक्षरता, पिछड़ापन समाप्त करना

---

(10)

इनकी सांस्कृतिक गतिविधियाँ निम्न

(i) त्योहार → सरस्वती पूजा, किरदी पूजा, सावन, करमा।

(ii) उत्सव → महुआ पर्व, सलासकाजु।

(iii) धर्म → बूढ़ा देव, नागपंचमी, ठाकुरदेव पूजा

(iv) नृत्य → करमा, सैला, गौड़ी, ~~[illegible]~~।

(v) विवाह → दूध लौटावा प्रथा (विवाह) पुत्रविवाह, तथा घोटुल प्रथा प्रचलित, तथा लामनाई (सेवा विवाह)

(3)

मध्यप्रदेश में भिन्न परिवहन तंत्र मौजूद

(i) सड़क → पद राष्ट्रीय व राजीय मार्ग

(ii) रेलवे → पश्चिमी, प. मध्य, दक्षिण-पूर्व जोन

(iii) वायु → जबलपुर, भोपाल, खजुराहो, इन्दौर, ग्वालियर (हवाई अड्डे) 26 हवाई पट्टीयां।

परन्तु भिन्न कमीयां

(i) सड़क घनत्व 31 km। राष्ट्रीय 41 km

(ii) प्रति 100 वर्ग km में सड़क लम्बाई 52 km। राष्ट्रीय 75 km तथा मात्र 5 हवाई उपलब्धी।

.2)

तर :

(५)

मत्स्य → राष्ट्रीय भागीदारी मात्र 1.6% तथा स्थान म.प्र. का 11 वां।

प्रमुख जिले व केन्द्र → खण्डवा, छतरपुर, जबलपुर (नर्मदा, बेतवा, तालाब) प्रमुख केन्द्र।

म.प्र. मत्स्य बोर्ड 2008, विभाग 1969 स्थापित

पशुपालन → 14.6 मिलियन पशु (जनगणना 2019)

(ii) दुग्ध उत्पादन → श्योपुर, मुरैना, भिण्ड, होशंगाबाद

(iv) गोसेवा, गोकुल मिशन, आदि योजना क्रियान्वन

(v) 4 कियन लैब मौजूद है म.प्र. में

(A)

सरकार द्वारा वंचित व गरीब वर्ग को न्यूनतम मूल्य पर अनाज व अन्य पोषण आपूर्ति सुविधा लोकवितरण प्रणाली कहलाती है।

विकासक्रम → 1975 PDS योजना.

↓

1995 लक्षित PDS → APL धारक
→ BPL

↓

अन्त्योदय योजना → गरीब से गरीब वर्ग 35 kg अनाज वितरण

↓

2013 राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा अधिनियम

(i) देश के शहरी (50%) व ग्रामीण 75% वर्ग शामिल

(ii) प्रत्येक परिवार को (1, 2, 3) रुपये प्रति किलो (मोटा अनाज, गेहूं, चावल)

(iv) BPL धारक 35 kg तथा APL धारक 25 kg अनाज।

(4) गर्भवती महिला को 6000 रुपये व अन्य पोषण सुविधा

(5) अनाज न मिलने पर भोजन भत्ता दिया जाएगा।

किसान → FCI → PDS → लोग

इसका भिन्न पहलू —

(i) मांग-आपूर्ति संतुलन में सहायक
(ii) खाद्यान्न सुरक्षा व पोषण आपूर्ति
(iii) कुपोषण व भुखमरी निवारण।
(iv) किसानों को मूल्य सुरक्षा (FCI) द्वारा
(v) खाद्यान्न मूल्य की महंगाई रोकना।

सरकार द्वारा हाल ही में कई प्रयास किए

(i) वन नेशन वन राशन कार्ड योजना
(ii) राशन कार्ड व आधार लिंकिंग
(iii) पॉइन्ट ऑफ सेल मशीन स्थापना
(iv) फोर्टीफाइड अनाज वितरण
(v) PM गरीब कल्याण योजना → 2020

अतः PDS भारतीय खाद्य सुरक्षा का आधार है।

(B)

आर्थिक सर्वेक्षण 2019-20 मध्यप्रदेश GDP कृषि भागीदारी 34.84% व मानव श्रम नियोजन शामिल। इसके प्रोत्साहन हेतु निम्न प्रयास जारी

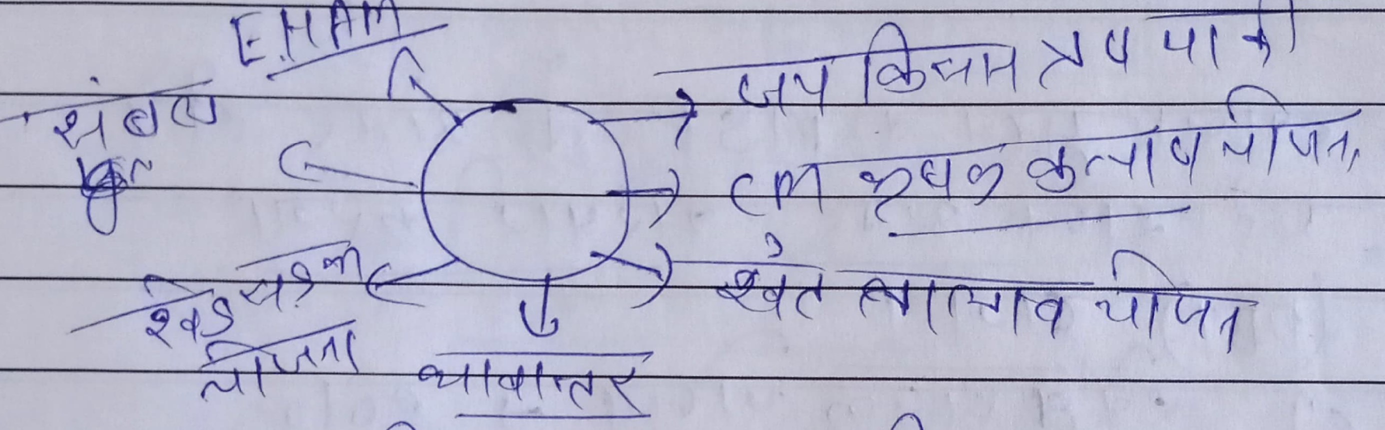

(I) जय किसान ऋण माफी - 2019

(i) 2.50 लाख रुपये तक कृषक ऋणों का माफ किया गया।

(II) CM कृषक कल्याण योजना - 2020

(i) PM सम्मान निधि के साथ 4000 हजार रुपये अतिरिक्त वितरण।

(III) श्वेत तालाब योजना → 2006

(i) तालाब निर्माण हेतु राज्य सहायता (50%) तक।

(4) बलराम ताल → 2007 आरंभ

तालाब निर्माण हेतु (सामान्य कृषक 50%) सीमान्त कृषक 75%) सब्सिडी प्रदान

(5) भावान्तर योजना → 2017

बाजार मूल्य व MSP के अंतर होने पर राज्य अंतर भरपाई करेगा (DBT) द्वारा।

(6) खेत सड़क योजना → 2010

सड़कों को खेतों को जोड़ना।

(7) संबल योजना → 2018

कृषि बिजली की HP की प्रति 200 रुपये फ्लैट बिजली

(8) गिरदावरी-उत्सव → कृषि सर्वेक्षण हेतु

(9) E-NAM → इलेक्ट्रॉनिक कृषि विपणन प्लेटफार्म स्थापना को बढ़ावा।

(3) दिव्यांग जन अधिनियम 1995 के अनुसार दृष्टिबाधित, अस्थिबाधित, श्रवबाधित या मानसिक अल्पता वाले कोई भी शारीरिक मानसिक असहाय व्यक्ति दिव्यांग श्रेणी मे शामिल किया जाता है।
पूर्ण रूप से अधिक चिकित्सकीय दृष्टि से दिव्यांग होते है।

(i) ADIP योजना → निःशक्त जनो के लिए आवश्यक सहायक उपकरण वितरण

(ii) सुगम्य भारत अभियान → तीन बिन्दु
(i) निःशक्त अनुकूल अभियान होना
(ii) उपकरणीय भौतिक वातावरण
(iii) सब क्षेत्रों मे समान पहुँच हो।

(iii) सुगम्य लाइब्रेरी → ब्रेल लिपी आधारित पुस्तकालय निर्माण।

Nema Books -9200333367

(4) UIDAI → योजनागत लांच हुई दिव्यांग पहचान ID नम्बर प्रोग्राम

(5) मनोदर्पण → मानसिक पिड़ित एक वर्ग की परामर्श सहायता हेतु APP है

(6) दीनदयाल सामर्थ्य योजना → ग्रामीण दिव्यांगो को कौशल-प्रशिक्षण देकर रोजगार प्रदान करना

(7) राष्ट्रीय छात्रवृत्ती → प्रारंभिक से उच्च शिक्षा तक।

(8) रेल्वे, बसो, पब्लिक दफ्तर पे नियुक्त या आरक्षित (अवसरो)

(9) भारतीय पुर्नःवास परिषद - 1992 की स्थापना।

(5) ऋगवेद के 10वे मण्डल के आधार पर समाज की प्राचीन चार वर्ण विभाजित व्यवस्था को भारतीय समाज मे वर्णव्यवस्था कहा गया।

ब्राह्मण, क्षत्रिय, शुद्र, वैश्य

इसके उत्पत्ती के संबंध मे निम्न सिद्धांत

(i) दैव उत्पत्ती → ईश्वर द्वारा प्रतिपादित
ऋगवेद, भागवत गीता

(ii) गुण उत्पत्ती → [सत्, रज, तम]
गुण आधारित (ऋषि भृगु)

(iii) रंग उत्पत्ती → गौर वर्ण (ब्राह्मण)
लाल (क्षत्रिय) पीला (वैश्य)
शुद्र (काला)

(iv) जन्म उत्पत्ती → जन्म आधार पर
वर्ण निर्धारण (स्मृती साहित्यो द्वारा प्रतिपादित)

(v) योग्यता उत्पत्ती → वर्ण क्षमता व योग्यता आधार पर तय होते [वैदिक काल]

वर्णव्यवस्था सकारात्मक पहलू

(i) यह व्यवस्थित श्रम विभाजन प्रकार थी

(ii) समाज में बेहतर शक्ति संतुलन (ब्राह्मण शिक्षा → राज्य अधिकारी)

(iii) समानता पर बल। वैदिक काल में भेदभाव नहीं

(iv) योग्यता पर बल क्षमतानुसार कार्य आवंटन

(v) धर्म की पवित्रता व संस्कृति के प्रसार में प्रधान भूमिका रही

(vi) जन्मजात कौशल विकास

नकारात्मक → (i) उच्च वर्ग द्वारा समाज व संसाधनों पर एकाधिकार।

(ii) निम्न वर्ग का शोषण होना

(iii) शूद्र वर्ग को 'द्विज' में शामिल न करना

(iv) अस्पृश्यता व विभेद उत्पन्न किया।

(v) जन्म आधार से योग्यता उपेक्षा की

यह वर्णव्यवस्था ही जिसके कारण भारतीय संस्कृति व समाज व्यवस्था वर्तमान तक बनी रही।

(E)

विश्व स्वास्थ्य संगठन की स्थापना 7 अप्रैल 1948 को की गयी इसका मुख्यालय जिनेवा में

संरचना

- प्रतिनिधि सभा [सभी देशों के प्रतिनिधि]
- महानिदेशक + उपनिदेशक [महानिदेशक टेड्रोस (अध्यक्ष)]
- सचिवालय + प्रबंध बोर्ड [32 सदस्य]

W.H.O कार्य / उत्तरदायी

(i) वैश्विक स्वास्थ्य स्थिति पर निगरानी

(ii) महामारी संबंधि उपचार में राष्ट्रों को नेतृत्व प्रदान करना।

(iii) सदस्य राष्ट्रों को तकनीकी व मानव संसाधन सहायता

(iv) गरीब राष्ट्रों में बुनियादी स्वास्थ्य सुविधा व टीकाकरण आदि पहुंचाना।

(5) चिकित्सा क्षेत्र में अनुसंधान करना।

वर्तमान निम्न वैश्विक स्वास्थ्य कार्यक्रम चला रहा है

(i) पल्स पोलियो मुक्ति → वैश्विक पोलियो उन्मूलन हेतु।

(ii) उड्डय नियंत्रण कार्यक्रम → (90 : 90 : 90) कार्यक्रम

(iii) अंतर्राष्ट्रीय केमिकल नियंत्रण कार्यक्रम ' खतरनाक रसायनों पर रोक

(iv) कोविक्स → C.O.V.I.D टीकों को गरीब राष्ट्रों तक पहुंचाना।

सफलताएं →

(i) अफ्रीका से इबोला मुक्ति

(ii) भारत में पोलियो मुक्ति - 2014

(iv) श्रीलंका, अर्जेन्टीना खसरा मुक्ति।

(v) कोविड के दौरान वैश्विक नेतृत्व।

अतः W.H.O वैश्विक स्वास्थ्य जगत का प्रथम प्रहरी है।